ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-07-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-07-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-07-05	2025-07-06	2025-07-07	2025-07-08	2025-07-09
वर्षा (मिमी)	14.2	27.2	22.0	14.5	9.6
अधिकतम तापमान(से.)	31.2	30.8	29.2	29.4	30.4
न्यूनतम तापमान(से.)	25.6	25.5	25.2	24.9	24.9
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	92	93	92	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	67	67	76	74	69
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4.0	2.9	9.2	7.1	6.1
पवन दिशा (डिग्री)	207	187	69	114	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	7	7	6
चेतावनी	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहेंगे और भारी बारिश की संभावना है। तापमान में ख़ास बदलाव के आसार नहीं है, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

तूफान और बिजली, तूफान आदि; तेज सतही हवाएं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना

सामान्य सलाहकार:

पिछले दिनों हुई भारी वर्षा तथा आने वाले दिनों में भी वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई किसी भी फसल की बुवाई से पहले जल निकासी सुनिश्चित करें तभी बुवाई के लिए जाएँ। धान के फसल को छोड़कर अन्य सभी फसल की बोआई मेढ़ बनाकर ही करें। रोपा धान वाले खेतों में जल जमाव के लिए मेढ़ को दुरुस्त रखें तथा विभिन्न सब्जियों एवं फसलों के खेतों से समुचित जल निकास के लिए व्यवस्था बनाए रखें। जो किसान पहले ही बोआई कर चुके हैं और अगर अंकुरण समान रूप से नहीं हो पाया हो तो खाली जगहों में पुन: बीज बोएँ या अगर एक ही जगह पौधों की संख्या ज्यादा हो गयी हो तो उसे उखाड़कर खाली जगह में लगा दें। खड़ी फसलों में सिंचाई रोक दें और जल निकासी की सुविधा रखें। मौसम साफ होने तक खाद या कीटनाशकों का छिड़काव रोक दें। वर्षा जल संचयन के लिए अपने खेत के निचले भाग में छोटे -छोटे गड्ढे (डोभा) का निर्माण करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बेल वाली सब्जियों को सहारा दें तथा उपयुक्त जल निकासी की सुविधा उपलब्ध कराएं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	आगामी वर्षा को देखते हुए निचले खेत (दोन-1) में अगर कादो करने लायक पानी जमा हो जाता हो तथा धान का बिचड़ा 20 दिनों का हो गया हो तो रोपा का कार्य आरम्भ करें। साथ ही साथ किसान यह ध्यान रखें कि लम्बी अवधि वाले किस्म के बिचड़े का रोपा पहले करना है। जो किसान धान का बिचड़ा दो बार (अवस्था) में गिराए हैं, वे पहले गिराए गए बिचड़े का रोपा पहले करें तथा बाद में गिराए गए बिचड़े का रोपा बाद में बीजस्थली (नर्सरी) से बिचड़ा उखाड़ने से पहले जल जमाव बना लें, जिससे बिचड़ा उखाड़ने में सहूलियत होगी तथा पौधे का जड़ नहीं टूटेगा। खेतों में कादो (लेवा) करते समय 25 किलोग्राम यूरिया, 32 किलोग्राम डी.ए.पी. तथा 20 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश प्रति एकड़ की दर से डालें। 2 से 3 बिचड़े 20 सेंटीमीटर (कतार से कतार) तथ्य 15 सेंटीमीटर (पौधा से पौधा) की दूरी पर कम गहराई पर रोपें।
काला चना	उरद की उन्नत किस्म जैसे बिरसा उरद – 1, बिरसा उरद – 2 एवं डबल्यू. बी. यू. – 109 की बोआई कतार में 10 सेंटीमीटर की दूरी पर करें तथा दो कतार के बीच की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। एक एकड़ में खेती करने के लिए 10 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। बोने से पहले बीज को राइजोबियम कल्चर के साथ उपचारित कर लें।
चावल	मौजूदा मौसम की स्थिति धान की नर्सरी में धान के ब्लास्ट और जीवाणुजनित पत्ती झुलसा रोग के संक्रमण का कारण बन सकती है। यदि नर्सरी में लीफ ब्लास्ट दिखाई देता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG @ 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथिओलेन 40EC @ 1.5 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं। बीच-बीच में सूखा और गीला मौसम, जल्दी बोई गई नर्सरी में बीएलबी के प्रकोप के लिए अनुकूल है। रोग के प्रसार को रोकने के लिए प्लांटोमाइसिन @1.0 ग्राम/लीटर के साथ हेज़क्साकोनाज़ोल @1.5 मिली/लीटर का पत्तियों पर छिड़काव करें।
रागी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 3 सप्ताह पुरानी रागी की फसल की रोपाई करें। रोपाई से पहले जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। कतार से कतार की दुरी 30 सेंटीमीटर तथा पौध से पौध की दुरी 10 सेंटीमीटर रखें।
ज्वार	ज्वार की उन्नत किस्म सी.एस.वी.-1616, सी.एस.वी.-17 आदि में से किसी एक किस्म का चुनाव करें। एक एकड़ में खेती करने के लिए 5 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है।
मक्का	मक्के के फसल में खाद नियंत्रण हेतु बुवाई के समय एन:पी:के का छिड़काव साफ़ मौसम में ही करें। नाइट्रोजन का भुरकाव 3 बार में करें तथा स्फुर एवं पोटाश का पूरी मात्र बुवाई के सामय ही डाल दें। नाइट्रोजन के पहले भुरकाव के लिए लिए 52 किलोग्राम यूरिया, पोटाश के लिए 27 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश तथा स्फुर के लिए 52 कोलीग्राम डी.ए.पी. प्रति एकड़ के दर से डालें। इसके बाद यूरिया का अगला भुरकाव बुवाई के 30 दिनों बाद तथा धनबाल के समय करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	हवा में नमी अधिक होने की स्थिति में फंगल रोग की संभावना अधिक रहती है। इसलिए पोल्ट्री कूड़े में चूना मिलाएं। 7 दिन के चूजों को आरडी का टीका दें। कोक्सीडायोसिस को रोकने के लिए पशुचिकित्सक की देखरेख में एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग करें। "आवश्यकता से अधिक मुर्गियाँ न रखें। पानी के बर्तनों की संख्या बढ़ायें तथा धातु के बर्तनों का प्रयोग न करें तथा ताजा ठंडा पानी दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	पिछली बारिश के कारण मिर्च और बैंगन में फल सड़न का संक्रमण होने की संभावना है, यदि ऐसा हो तो कार्बेन्डाजिम 50% WP @ 2 ग्राम/लीटर पानी या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। यदि आवश्यक हो तो 15 दिनों के अंतराल पर दूसरा और तीसरा छिड़काव करें।
कृषि क्षेत्र	जो किसान बगीचा स्थापित करना चाहते हैं या कुछ फल अथवा लकड़ी का पौधा लगाना चाहते हैं और अभी तक गड्ढा नहीं खोद पाए हैं, वे अविलंब गड्ढा खोदें तथा दो गड्ढों के बीच की दूरी फल या लकड़ी के वृक्ष के लक्षण के अनुसार रखें। बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए भी फल वृक्ष या दरख्त वाले पेड़ को लगाना चाहिए। जिन किसान भाइयों को नए फल के पौधे तैयार करने हों, वे उनमें कलम बांधने के लिए रिंग कर दें। यह काम अमरूद एवं लीची के पेड़ों में करें। आम के पेड़ों में साटा बांधने के लिए उसके डालों को झुका लें ताकि गमले के पौधे को उससे बांधा जा सके। फल वृक्ष लगाने हेतु जो किसान भई पहले से गड्ढा बना चुके हैं वे प्रत्येक गड्ढे में 8 से 10 किलोग्राम गोबर की खाद, 2 किलोग्राम करंज की ख़ली, 1 किलोग्राम डी ए पी, 500 ग्राम म्यूरेट ऑफ़ पोटाश डालकर गड्ढे को भर दें तथा किसी विश्वसनीय नर्सरी से मनपसंद पौधे लाकर लगा दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसलों का गिरना, फसलों का सड़ना

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

जल निकासी की सुविधा प्रदान करें, यदि संभव हो तो सब्जी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से ढकें

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details